

„Ti az én barátaim vagytok...” (Jn 15:14)

- | | | | |
|-----|-----|--------------------------------------|-------------------------------|
| 1. | P. | Jn 16:24 | Jézus bátorít |
| 2. | Sz. | Jel 21:6 | Alfa és Omega |
| | | ■ Naplemente: Budapest: 16:03 | <i>Debrecen: 15:51</i> |
| 3. | V. | Róm 6:23 | Isten ajándéka |
| 4. | H. | Mt 1:21 | Ő a Szabadító |
| 5. | K. | Jn 6:44 | Isten hív |
| 6. | Sz. | 1Jn 2:4-5 | Isten ismeretének bizonyítéka |
| 7. | Cs. | 1Kor 1:26-27 | Isten választottai |
| 8. | P. | Tit 1:2 | Igaz ígéret |
| 9. | Sz. | 2Krón 7:14 | A bűnbocsánat feltétele |
| | | ■ Naplemente: Budapest: 16:10 | <i>Debrecen: 15:58</i> |
| 10. | V. | 1Jn 1:7 | Világosság és közösség |
| 11. | H. | Jer 7:3 | A Seregek Ura szólt |
| 12. | K. | Zsid 11:6 | Hit nélkül lehetetlen |
| 13. | Sz. | 2Tim 4:5 | Józan szolgálat |
| 14. | Cs. | ApCsel 18:9-10 | Félelem nélkül szólj! |
| 15. | P. | Fil 4:6 | Aggodalom helyett hála |
| 16. | Sz. | Mk 4:26-29 | Magból termés |
| | | ■ Naplemente: Budapest: 16:19 | <i>Debrecen: 16:07</i> |
| 17. | V. | Ézs 58:5-9 | Az igazi bőjt |
| 18. | H. | 1Móz 6:22 | Noé engedelmeskedett |
| 19. | K. | Mt 23:11-12 | Igazi nagyság |
| 20. | Sz. | Jer 33:6 | Gyógyító Istenünk |
| 21. | Cs. | Jn 7:16-17 | Jézus bölcsessége |
| 22. | P. | 1Thessz 5:20-21 | Válogatás értelemmel |
| 23. | Sz. | 5Móz 18:22 | Keressd a bizonyítékot! |
| | | ■ Naplemente: Budapest: 16:29 | <i>Debrecen: 16:17</i> |
| 24. | V. | 1Kor 9:16 | Hirdetni kell! |
| 25. | H. | Bír 13:4 | Önmegtartóztatás |
| 26. | K. | 1Krón 16:11 | Keressétek az Urat! |
| 27. | Sz. | 2Móz 15:26 | A Nagy Orvos ígérete |
| 28. | Cs. | Jn 18:37 | Az igazak ismertetőjele |
| 29. | P. | Zsid 11:24-27 | Mózes hite |
| 30. | Sz. | Zsolt 119:89 | Isten örök Igéje |
| | | ■ Naplemente: Budapest: 16:39 | <i>Debrecen: 16:28</i> |
| 31. | V. | Zsid 1:10-12 | A Teremtő Isten nem változik |

„Mert imé, új egetek és új földet teremtek...” (Ézs 65:17)

- | | | | |
|--------------------------------------|-----|---------------|------------------------------|
| 1. | H. | Mt 23:2-3 | Szó és tett egyezése |
| 2. | K. | 1Pt 2:9 | Választott nemzetiség |
| 3. | Sz. | Mt 23:8 | Testvérek |
| 4. | Cs. | 1Kor 3:9 | Isten munkatársai |
| 5. | P. | Lk 24:49 | Mennyei erő ígérete |
| 6. | Sz. | 2Kor 12:9 | Erőtlenség és erő |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 16:50</i> | | | <i>Debrecen: 16:38</i> |
| 7. | V. | 2Sám 24:14 | Isten irgalmas |
| 8. | H. | Róm 2:15 | Törvény a szívben |
| 9. | K. | 1Móz 50:20 | Jóra fordult |
| 10. | Sz. | 1Móz 1:31 | Tökéletes teremtés |
| 11. | Cs. | Ézs 30:15 | A nyugalom lehetősége |
| 12. | P. | Mk 4:37-40 | A tenger lecsendesítése |
| 13. | Sz. | 2Móz 25:1-2 | Isten ajándékot kért |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 17:01</i> | | | <i>Debrecen: 16:49</i> |
| 14. | V. | 1Pt 5:6-7 | Alázat Isten előtt |
| 15. | H. | Jn 11:41 | Jézus imája |
| 16. | K. | Zsolt 91:15 | Isteni védelem |
| 17. | Sz. | 1Jn 4:12 | Isten szeretete bennünk |
| 18. | Cs. | Ézs 55:8-9 | Isten gondolatainak nagysága |
| 19. | P. | 1Kor 15:34 | Légy éber, élj tisztán! |
| 20. | Sz. | Ez 37:13-14 | Isten mindenható |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 17:12</i> | | | <i>Debrecen: 17:00</i> |
| 21. | V. | Mt 19:28 | Királyi székekről, ítéletről |
| 22. | H. | Ézs 65:23-24 | Az állandóság ígérete |
| 23. | K. | 2Tim 1:7 | Félelem nélkül |
| 24. | Sz. | 2Tim 1:8 | Ne szégyeld! |
| 25. | Cs. | Róm 5:3-5 | Bajok és a reménység |
| 26. | P. | 1Móz 28:20-21 | Jákób fogadalma |
| 27. | Sz. | 2Krón 15:7 | Kitartás, bátorság |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 17:23</i> | | | <i>Debrecen: 17:11</i> |
| 28. | V. | Róm 15:4 | Tanulság |
| 29. | H. | Róm 15:13 | Öröm, békesség, reménység |

„Új parancsolatot adok néktek, hogy egymást szeressétek” (Jn 13:34)

- | | | | |
|-------------------------------|-----|-----------------|------------------------------------|
| 1. | K. | Jn 13:35 | Szeretni egymást |
| 2. | Sz. | Lk 8:38-39 | Mondd el, mit tett veled Isten! |
| 3. | Cs. | 1Kor 16:13-14 | Éberség és erő |
| 4. | P. | Péld 23:12 | Erkölcsei tanítást hallgatni |
| 5. | Sz. | Mt 7:21 | Uram! Uram! |
| ■ Naplemente: Budapest: 17:34 | | | Debrecen: 17:22 |
| 6. | V. | Mt 6:33 | Isten országának elsőbbsége |
| 7. | H. | Péld 16:27-28 | Gonoszság, versengés |
| 8. | K. | Mt 6:34 | Ne aggódj! |
| 9. | Sz. | ApCsel 10:34-35 | Isten nem személyválogató |
| 10. | Cs. | ApCsel 4:12 | Egyedüli Üdvözítőnk |
| 11. | P. | Jel 14:13 | Végső nyugalom |
| 12. | Sz. | Mt 19:13-14 | Jézus és a kisgyermek |
| ■ Naplemente: Budapest: 17:44 | | | Debrecen: 17:32 |
| 13. | V. | Péld 22:24-25 | Kerüld a haragosok társaságát! |
| 14. | H. | 2Tim 2:19 | Isten fundamentuma |
| 15. | K. | Mk 8:34-37 | Krisztus követése |
| 16. | Sz. | 2Móz 17:11-12 | Felemelt kezekkel |
| 17. | Cs. | Ézs 29:18-19 | Öröm jön a szenvedés után |
| 18. | P. | 2Tim 1:12 | Pál hite |
| 19. | Sz. | Ézs 55:11 | Isten szavának hatása |
| ■ Naplemente: Budapest: 17:54 | | | Debrecen: 17:42 |
| 20. | V. | Mal 3:18 | Meglátni a különbséget |
| 21. | H. | Jn 15:5 | Jézusban maradni |
| 22. | K. | Róm 14:13 | Kárhoztatás, botránkoztatás nélkül |
| 23. | Sz. | Ézs 46:9-10 | Nincs más olyan, mint Isten |
| 24. | Cs. | Gal 3:28 | Isten előtti egyenlőség |
| 25. | P. | ApCsel 8:36-37 | Hitvallás és keresztség |
| 26. | Sz. | 1Thessz 5:17-18 | Ima és hála |
| ■ Naplemente: Budapest: 18:04 | | | Debrecen: 17:52 |
| 27. | V. | Zsolt 119:30 | Gondolni az ítéletről |
| 28. | H. | Józs 24:14-15 | Választani kell |
| 29. | K. | Jak 5:14 | Ima a betegekért |
| 30. | Sz. | Lk 24:6 | Feltámadt! |
| 31. | Cs. | 2Tim 2:15 | Hűséggel dolgozni |